परोक्ष कर के गुण →

DATE

(I) सुविधाजनक :→ परोक्ष कर सुविधाजनक होते हैं क्योंकि यह वस्तु के मूल्य के साथ-साथ मिला रहता है। जिससे करदाता को भुगतान करने में कठिनाई नहीं होती है।

(II) न्यायपूर्ण → Mill के अनुसार यह कर न्यायपूर्ण है क्योंकि यह सभी व्यक्तियों पर समान्य रूप से लगाया जाता है। किसी के साथ पक्षपात नहीं किया जाता है।

(III) अप्रत्यक्ष कर लोचदार :→ समय और परिस्थिति के अनुसार अप्रत्यक्ष कर में परिवर्तन कर दिया जाता है और आवश्यकता के अनुसार आय प्राप्त कर लिया जाता है।

अप्रत्यक्ष कर कुछ खास वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का भी एक अस्त्र है। यह कर शराब तथा विदेशी वस्तुएं इत्यादि पर बड़े पैमाने पर कर लगाया जाता है।

अप्रत्यक्ष कर के दोष →

(I) यह कर अन्यायपूर्ण है क्योंकि यह व्यक्तियों के करदान क्षमता पर बिना ध्यान दिए लगाया जाता है।

(II) इस tax को वसूलने में बहुत ज्यादा खर्च पड़ता है। इसलिए यह कर बहुत खर्चीला है।

(III) इस कर में बराबर अनिश्चितता बनी रहती है।

(IV) सरकार नहीं जानती है कि कर के रूप में इस वर्ष कितनी आय प्राप्त होगी।

(IV) इस कर में भी बड़े पैमाने पर चोरी होती है।

Scanned by CamScanner

तुलना →

DATE

ऊपर हमने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करो का तुलनात्मक किया है और पाया है दोनो के अपने - अपने गुण-दोष है। इस निष्कर्ष पर पहुँचना बड़ा ही मुश्किल है कि दोनो में कौन कर अच्छा है क्योंकि दोनो कर लगभग आवश्यक है। आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने इस बात पर बल दिया है कि कर प्रणाली को अधिक उपयुक्त एवं न्यायसंगत बनाने के लिए यह आवश्यक है कि दोनों ही करो को लगाया जाए। डाल्टन का भी इस सम्बन्ध में कहना है कि प्रत्यक्ष और परोक्ष कर दोनों मिलकर सरकार के लिए एक बहुत बड़े आय का आधार तैयार करते है और एक ओर प्रत्यक्ष कर धनियों के पॉकेट से ज्यादा पैसा निकालने में सक्षम होता है तो अप्रत्यक्ष कर व्यक्तियों के वैसे आदतो पर नियंत्रण लगाता है जो व्यक्ति के लिए हानिकारक है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के बारे में यह कहना गलत नही होगा कि यह दोनो एक ही सिक्के के दो पहलू है।

जहाँ तक भारत का प्रश्न है यहाँ पर दोनो कर आय का कुल 30% Direct तथा परोक्ष कर 60% अंशदान करता है इसमें कोई शक नही है कि प्रत्यक्ष कर परोक्ष कर से अच्छा है। लेकिन परोक्ष करो को भी नजर अन्दाज नही किया जा सकता है अतः भारत जैसे विकासशील देश में दोनो का समन्वय ही श्रेयस्कर है।

हाल के दिनों में सभी अप्रत्यक्ष करो को एक GST (Goods & Service Tax) के रूप में लगाया जाता है जो वर्तमान सरकार द्वारा लाया गया है।

Scanned by CamScanner